



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	३१.१२.२२	२	५-८

### बच्चों को वितरित की सर्दियों की स्कूल ड्रेस

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विविधित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलेजी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की। कार्यक्रम विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया, जिसमें कुलपति प्रोफेसर चौ.आर. कामबोज की धर्मणी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बड़ौर मुख्यालियत उपस्थित रही। मुख्यालियत ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलेजी व शुगियाँ में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनको जरूरत के हिसाब से ठंड से



बचाव के लिए ड्रेस वितरित की गई है। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्वविद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कृषि	31.12.22	३	१-३



विद्यार्थियों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व समाज कल्याण संस्था के सदस्य।

## जनरातमंद विद्यार्थियों को वितरित की स्कूल ईस

हिसार, 30 दिसम्बर (बाहर): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय ठच्च विद्यालय में लेबर कॉलेज के पढ़ने वाले जनरातमंद

वर्षों को सर्वियों की स्कूल ईस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की

भर्तपुरी व संस्था की अध्यक्ष संसोधन कुमारी बतीर मुख्यातिथि उपस्थित हुईं। इस दौरान 80 जनरातमंद विद्यार्थियों को सर्वियों की स्कूल ईस वितरित की गई।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट सभाज्ञा२	३१.१२.२२	५	१-३

## एचएयू की समाज कल्याण संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित की सर्दियों की स्कूल ईस

हिसार, 30 दिसंबर (विरेंद्र बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलोनी के पहने बाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ईस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति



बच्चों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व समाज कल्याण संस्था के सदस्य।

प्रो.बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बठौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलोनी व दूरगांव में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनको जरूरत के हिसाब से ठड़ से बचाव के लिए ईस वितरित की गई है। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों को उनके सल्लोग व नेक कार्य के लिए सलाहा करते हुए भवित्व में इस प्रकार

के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ईस वितरित की गई। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्वविद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने पुनर्जीवित की थी संस्था : संस्था के सचिव कलिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल

फ्लेचर ने की थी लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था नियन्त्रित पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस संस्था के पुनर्गठन के बाद यह तीसरा कार्यक्रम है जिसके तहत जरूरतमंद बच्चों को सामाजिक वितरित किया गया है। इससे पहले भी स्कूल के 120 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सीयों व हॉट केस टिफिन वितरित किए गए थे। इस अवसर पर संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महला, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मंजु महला, डॉ. अर्णा, डॉ. सुरभि व राजीव मोर सहित संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम भौद्धन्तु	30.12.2022	-----	-----

# एचाएयू की समाज कल्याण संस्था ने वितरित की वर्दियां



बच्चों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व संस्था के सदस्य।

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क हिसार/मुख्यविन्दर कौर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया

जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेवर कॉलोनी व झुगियों में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनको जरूरत के हिसाब से ठंड से बचाव के लिए ड्रेस वितरित की गई

है। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों

को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर ने की थी, लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निष्क्रिय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नोट - २०२२	30.12.2022	-----	-----

## संस्था ने जलरतमंद बच्चों को वितरित की स्कूल ड्रेस



नम-डोर न्यूज ॥ 30 दिसंबर  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विधि राजकीय उच्च विद्यालय में जलरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति ग्रो बीआर काम्बोज की घटनपत्री व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भवित्व में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दैशन 80 जलरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। राजकीय उच्च विद्यालय के

प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्वविद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया। संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर ने की थी लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निपिक्कय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति ग्रोफेसर बी आर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से मठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मंजु महता, डॉ. अपर्णा, डॉ. सुरभि व राजीव मोर सहित संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समझौते पृष्ठ पण्डी	30.12.2022	-----	-----

एचएयू की समाज कल्याण संस्था ने बच्चों को वितरित की सदियों की स्कूल ईस

समाज सुधारणा न्यूज

हिसार। यीर्धी चरण मिहन हरिवाणा कुमार विभिन्नतात्म हिसार में विभिन्न गणकीय उच्च विद्यालय में लेख कालिकों के पढ़ने वाले जगतराषांद बच्चों को मार्गियों की स्कूल ट्रैट विद्यालय को दें। कालेज का अध्योजन विभिन्नतात्म को यामाद कालेज संस्था द्वारा किया गया विद्यालय कृत्तिय प्राप्तकर्ता वै. डा. कालेज की पर्याप्ति व संस्था की अवधि शिक्षी संघें कुमारों और मुख्यमन्त्रीय उपर्युक्त हुई। मुख्यमन्त्रीय ने कालाया कि विभिन्नतात्म में विभिन्न गणकीय उच्च विद्यालय में लेख कालिकों व सुगीयों में से विद्यार्थी पढ़ने अड़ते हैं जिनको जगतराष के हिसाब से उन्हें से व्यवस्था के लिए इस विद्यालय की गई है। उक्तानि संस्था के सभी व्यवस्थों को उनके स्थानें व नेक जारी के लिए कार्य करने रहने का आदेश किया। इस दीर्घ 80 वर्षपूर्वमें विद्यालयों के मार्गियों की स्कूल ट्रैट विद्यालय की गई। याकोटें उच्च विद्यालय के प्रथमवर्षात् नीरंजन रिहाँ तुलन ने इस नए कार्य के लिए विभिन्नतात्म की संस्था का धन्यवाद किया। मुख्यमन्त्री प्रेषणकर्ता वै. डा. कालेज ने पुनर्जीवित की वीर्य संस्था संस्था के मार्गियों की अद्देश देने वालाया कि संस्था की स्थापना विभिन्नतात्म के प्रथम कृत्तिय वीर्य ए पल प्रेषण ने को वीर्य निर्वाचन विलेन 15 वर्षों से पहले संस्था निर्विचय पढ़ी हुई थी। कालायन कृत्तिय प्राप्तकर्ता वै. डा. कालेज ने इस संस्था का धोखाता ये गेलन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस संस्था के मुख्यमन्त्री के बाद यह तीसरा व्यवस्थाक है जिसके तहत जगतराषांद बच्चों को सामान विद्यालय



गया है। इसमें चहले भी स्कूल के 120 जनरेटर्स में सभी के नाम, संख्या और संचालन प्रबंधन सिस्टेम की विवरियों को जीवित व हॉट केस ट्रिप्लेट वित्तीय दिए गए हैं। इस अवसरा पर संस्था के सचिव रमेश नाहर, योगी अर्पण और सुनीष व राजेश मोर नामी उपर्याप्त अधिकारी, कर्मी भवानीश्वराचार्य के विवरणों तथा संघर्ष के बाबत विवर दें।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाख्यात पत्र का नाम  
टीनकु भास्कर

दिनांक  
२९-१२-२२

पृष्ठ संख्या  
२

कॉलम  
६-४

## वैज्ञानिक किसानों को दे रहे सलाह, सर्दी में लो टनल विधि से करें सब्जियों की खेती अगेती फसल को उगाई बेल वाली सब्जियों में खरपतवार व बीमारियों का नहीं रहेगा खतरा

भारत न्यूज़ | हिसार

जानिए.... कैसे तैयार करें प्लास्टिक लो-टनल

सर्दी के भौमम में प्रदेश के किसान प्लास्टिक लो टनल विधि से अगेती फसल के लिए कहूँगाय सब्जी लौकी, तोरह, टिडा, करेला और अन्य फसलों की बुवाई कर फसलों को बीमारियों से बचा सकते हैं। एचएस के वैज्ञानिक किसानों को लो टनल विधि से फसलों की बुवाई कर अधिक आमदनी कमाने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्हें विधि के बारे में जानकारी दी जा रही है। वैज्ञानिक डॉ. अर्चना ने बताया कि कहूँगाय सब्जियों की अगेती खेती बेल वाली व कहूँगाय सब्जियों की अगेती फसल लगाकर किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। कहूँगाय सब्जी जैसे लौकी, तोरह, टिडा, करेला व अन्य सब्जियां हैं। आमतौर पर इन सब्जियों की रोपाई फरवरी माह में शुरू हो जाती है। इसलिए अगेती फसल के लिए यह समय बीज लगाने के लिए उपयुक्त है। बेल वाली सब्जियों में ज्यादा ठड़ सहन करने की क्षमता नहीं होती। ऐसे में लो टनल विधि से अगेती फसल तैयार की जा सकती है।



हिसार | लो टनल विधि से उगाई गई सब्जियां।

यह 1-3 माह तक के लिए सब्जियों के ऊपर बनाई जाने वाली अस्थाई संरचना होती है। पॉलीटनल बनाने के बाद एक सुरंग की तरह दिखती है। इस लो-टनल के फ्रेम के निर्माण हेतु 6-10 मिली मीटर मोटी, 2-3 मीटर तार या सरिया या कांस की फिटिंग्स का उपयोग करके बनाया जाता है। तारों को 1-1.5 मीटर लंबाई के टुकड़ों में काटकर लूप तैयार कर लेते हैं।

**अगेती खेती को बढ़ावा देती है प्लास्टिक लो टनल**  
एचएस कुलपति वीआर काम्बोज के अनुसार, मैदानी क्षेत्रों में कहूँगाय सभी सब्जियों को अगेती खेती को बढ़ावा देने के लिए प्लास्टिक लो टनल तकनीक अपनाई जाती है। इसमें दिसम्बर व जनवरी में सब्जियों की पौध स्थापित की जाती है।

**मुर्गी की खाद का प्रयोग थेलियों को भरने में न करें**  
सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीथीन की 10-15 से.मी. की थेलियों में बिजाई की जाती है। थेलियों के नीचे 3-4 लोटे छेद कर दें, ताकि उनमें पानी न ठहर सके। मुर्गी की खाद का प्रयोग थेलियों को भरने में न करें। इससे बीज के अंकुरण पर प्रभाव पड़ता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुसाच्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१०१८ मास्क२	२९.१२.२२	२	१-४

# नया प्रयास • एचएयू में डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय को कराया अपग्रेड प्रदेश में अब किसानों को एक विलक पर मिलेगी मिट्टी और फसल की जानकारी

मध्यस्थ भूमि | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय को अत्यधिक बनाया गया है। अब यहां पर पहुंचकर किसान डिजिटल मानवित्र के माध्यम एक विलक पर प्रदेश के सभी ज़िलों में किस मिट्टी में कौन सी फसल की बुवाई करे, इसको जानकारी हासिल कर सकें। डिजिटल मानवित्र में इसका पूरा व्यापार दिया है। यहां नहीं, मिट्टी के संपल भी जानकारी के लिए रखे गए हैं। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कामवोज ने बताया कि डिजिटल मानवित्र प्रदेश के किसानों को भी खुब ग्रस आ रहा है। डिजिटल मानवित्र का उद्देश्य किसानों को फसलों की विभिन्न किस्मों की बुवाई के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आमदानी को बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 से लेकर शाम 5 बजे तक 50 लघु खबर कर कोई भी म्यूजियम का दीवार बर सकता है।

जानिए... जिले में किस मिट्टी में कौन सी फसलों को लगाना उचित

### • रेतीली मिट्टी

जिले- हिसार, सिरसा, भिवानी, चरखी धारी, गुडगांव, फौरीदाबाद, पलखल, रवाड़ी, महेंद्रगढ़ किस कफलत की कर्म छोटी- बाजार, सरसो, मूग, ग्वार

### • दोमट मिट्टी

जिले- कुलधेत्र, कैथल, करनाल, हिसार, फतेहगांव, पानीपत, सोनीपत, यमुनानगर आदि। किस कफलत की कर्म छोटी- कोटन, क्षेत्र, चावल, रोटी, सब्जियां, किल, अमरुद, आंवला

### • गारिया दोमट मिट्टी

जिले- अमूला, गुडगांव, नूह, यमुनानगर, पंचकूला



कृषि विज्ञान संग्रहालय में स्थापित डिजिटल मानवित्र की तस्वीर।

जिस कफलत की कर्म छोटी- मक्का, चावल, सब्जियां, अमूला

### • गारिया मिट्टी

जिले- पंचकूला, यमुनानगर, गुडगांव, नूह

किस कफलत की कर्म छोटी- मक्का,

चावल, सब्जियां, अमूला

### • चिरानी मिट्टी

जिले- कुलधेत्र, कैथल, करनाल किस कफलत की कर्म छोटी- धान, गर्जा, गेहूं, चावल, सब्जियां, आम, अमरुद, आंवला

अंग्रेजी और हिन्दी ऑडियो रिकॉर्डिंग में भी जानकारी हासिल कर रहे किसान

डिजिटल मानवित्र में आडियो रिकॉर्डिंग को भी सुविधा प्रदान की गई है। किसान यदि पहुंच नहीं पा रहे हैं तो हिन्दी में भी रिकॉर्डिंग के माध्यम से फसलों और मिट्टी के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। अंग्रेजी में भी जानकारी देने की सुविधा प्रदान की गई है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी-११८१२७१	३१.१२.२२	२	३-६

### दिल की बीमारियों से बचाएगा सरसों की नई किस्म का तेल

#### जागरण विशेष

पेट्रन सिंह • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचप्यू) के वैज्ञानिकों ने सरसों की नई उन्नत किस्म 1706 विकसित की है। विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने सरसों की आरएच 1706 किस्म को विकसित किया है।

आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम ईरुसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिसका लोगों के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है। इसके पीढ़ी की ठंचाई मध्यम होती है व शाखाओं की संख्या ज्यादा होती है। आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म 1706। \*जागरण

- एचएच 1706 ने विकसित की नई किस्म
- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की नई किस्म 1706 तैयार की

ऐसे करें इस फसल की तैयारी

- बिजाई का समय : 30 सितंबर से 20 अक्टूबर
- खेत की तैयारी : सिवित इलाकों में मिट्टी पलटने वाले हल से पहले जुताई करने के बाद दो से तीन बार दोस्री हल होरे या कल्टीवेटर से जुताई करके सुहागा अवश्य लगाए। असिवित क्षेत्रों में दोस्री हल अथवा कल्टीवेटर से एक या दो जुताइयां करके सुहागा लगाए।
- कतार से कतार एवं पीढ़े से पीढ़े की दूरी : कतार से कतार - 30 सेटीमीटर, पीढ़े से पीढ़े की दूरी - 10 से 15 सेटी मीटर
- खाद की मात्रा : सिवित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 70 किलोग्राम सिंगल सूपर फार्मफैट एवं 14 किलोग्राम म्यूरोट आक पोटाश बिजाई के समय डालें और 35 किलोग्राम यूरिया पहली सिंचाई के बाद डालें।

किस्म है, इसलिए ये हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और जम्मू राज्यों के सिवित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए उपयुक्त मानी गई है। इस किस्म को विकसित करने वाले एचएच के वैज्ञानिकों का कहना है कि सरसों की ये किस्म इन राज्यों

की सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में बड़ा योगदान देगी। ये सरसों स्वास्थ्य के लिहाज से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है क्योंकि इसमें 2.0 प्रतिशत से भी कम ईरुसिक एसिड की मात्रा पाई जाती है। इरुसिक एसिड की मात्रा कम होने

से यह सेहत पर प्रतिकूल असर नहीं डालेगी। सरसों के तेल में 42 पीसदी पैटी एसिड होता है, जिसे ईरुसिक एसिड कहा जाता है। वह एसिड मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। हृदय संबंधी बीमारियों के जिम्मेदार माना जाता है।

वैज्ञानिकों ने सरसों की नई उन्नत किस्में विकसित की है, जिसमें आरएच 1706 किस्म भी है। विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम की महान या यह परिणाम है। अधिक उपज और बेहतर तेल गुणवत्ता के कारण इस किस्म को काफी पसंद किया जा रहा है। प्रा. बीआर काम्बोज, कल्पति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय